

संख्या- 2401/15-7-161211/1995

Amusement
Ink A

प्रेषक,

श्री अमोक्त नांगुनी,
उप सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन ।

सेवा में,

सचिव,
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद,
मिशन केन्द्र 2 समुदाय केन्द्र,
प्रौद्योगिकी विभाग नई दिल्ली ।

दिनांक 17/1 जुलाई

संलग्नक: दिनांक 24 अप्रैल, 1995

विषय:-

श्री श्रीर मुख विद्यापीठ मुख आश्रम माहवहापुर को सीटिंग एडमिशन
दिल्ली से सम्बन्धित हउ अनधिकृत प्रमाण पत्र देने जाने के संबंध में ।

महोदय,

उपरोक्त विषयक पर मुझे महकमों का निदेश प्राप्त है कि श्री श्रीर मुख
विद्यापीठ माहवहापुर को सीटिंग एडमिशन नई दिल्ली से सम्बन्धित प्रमाण पत्र देने जाने से
हउ राज्य सरकार को निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन आपरित नही है :-

- 111 विद्यालय की पंजीकृत सीटिंग एडमिशन का समय समय पर नवीनीकरण
कराया जायेगा ।
- 121 विद्यालय की प्रमुख समिति में शिक्षा निदेशक द्वारा नामित एक
सदस्य होगा ।
- 131 विद्यालय में कम से कम दस प्रतिशत स्थान अनुसूचित जाति/अनुसूचित
जनजाति के बच्चों के लिए सुरक्षित रहेंगे और उनसे उत्तर प्रदेश
शिक्षा परिषद द्वारा संचालित विद्यालयों में विभिन्न स्तरों के लिए
निर्धारित प्रत्येक वैयक्तिक शुल्क नहीं लिया जायेगा ।
- 141 संस्था द्वारा राज्य सरकार से किसी अनुदान की मांग नहीं की
जायेगी और यदि पूर्व में विद्यालय माध्यमिक शिक्षा परिषद से किसी
शिक्षा परिषद से सम्बन्धित प्राप्त है तथा विद्यालय की संचालन
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद/कोसिम कार दि उच्चतर स्तर नहीं
फिरेड ब्रजा विभाग नई दिल्ली से प्राप्त होता है तो उस पर उस
परिषदों से सम्बन्धित प्राप्त होने की तिथि से वास्तविक से सम्बन्धित
राज्य सरकार से अनुदान समय: समाप्त हो जायेगी ।
- 151 संस्था के अधिक एवं शिक्षाकार कर्मचारियों को राजकीय सेवायां और
शिक्षण संस्थाओं के कर्मचारियों को अनुक्रम गैरमान्य तथा अन्य मामलों
से कम वेतनमान तथा अन्य भर्ती नहीं दिये जायेंगे ।

Secretary

Shri Shankar Mumukshu Vidyapeeth
C.B.S.E. Sr. Sec. School
Mumukshu Ashram, Shahjahanpur

154

कर्मचारियों की सेवा शर्तें नवीनी जायेगी और उन्हें सहायता प्राप्त
आराखीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के कर्मचारियों की अनुक्रम सेवा
निर्वाह का नाम उपलब्ध कराये जायेगे ।

19। उक्त शर्तों में राज्य सरकार के पूर्वानुमोदन के बिना कोई परिवर्तन/मंजूरिया या परिष्कार नहीं किया जायेगा।

2- मुनिविरचित किताबों में कि -

[illegible]

131 विद्या य मे विधारित मां के विद्या का नाम पुत्राकाश

14] तैत्तिरीयटी के मतानुसार वेदों में वर्णित अधिभूत प्रातः तैत्तिरीय उपनिषद् में वर्णित वेदों में वर्णित वेदों के भीतर उपलब्ध कराई जायेगी ।

3- उक्त प्रतिबन्धों का पालन करना संस्था के लिए अनिवार्य होगा और यदि किसी समय यह पाया जाता है कि संस्था द्वारा उक्त प्रतिबन्धों का पालन नहीं किया जा रहा है अथवा पालन करने में किसी प्रकार की गलती या अनियमितता बरती जा रही है तो राज्य सरकार द्वारा उक्त अनियमितता प्रमाण पर आपत्त न किया जायेगा ।

॥ आनेक नांयुनी ॥
उप राविण ।

पृष्ठ 240111/15-7-1995 नदरिनांक

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सुनाय एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु कहा :-

- 1- शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ ।
- 2- माहौलीय उप शिक्षा विभाग प्रेमनाथ गुरुकुल प्रेमनाथ ।
- 3- शिक्षा विभाग एवं निरीक्षण, गोरखपुर ।
- 4- निरीक्षण प्रभाग भारतीय विद्यालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ ।

~~Secretary~~

Secretary
Shri Shankar Mumukshu Vidyapeeth
C.B.S.E. Sr. Sec. School
Mumukshu Ashram, Shahjahanpur

अतः स.

। श्रीक गुरु ।
ॐ नमः ।